हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सौजन्य से दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र की संस्कृत साहित्य परिषद द्वारा **'रामायण–महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 30 जनवरी 2019 को आयोजित की जा रही है। आप अपने शोध–पत्र के साथ इस संगोष्ठी में सादर आमंत्रित हैं।

संस्कृत संगोष्ठी के लिए विचारणीय उपविषय निम्नलिखित हैः–

- उत्तरवर्ती साहित्य में रामायण–महाभारत के मूल कथानक में हुए परिवर्तन–परिवर्धन का साहित्यिक मूल्यांकन
- रामायण–महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का संस्कृत साहित्य में विस्तार
- रामायण–महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का हिन्दी साहित्य में विस्तार
- रामायण–महाभारतगत प्रमुख पुरुष पात्रों का उत्तरवर्ती साहित्य में चारित्रिक अनुशीलन
- रामायण–महाभारतगत प्रमुख स्त्री पात्रों का उत्तरवर्ती साहित्य में चारित्रिक अनुशीलन
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में राजनैतिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में धार्मिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में शैक्षिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य का भक्ति दर्शन
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य का स्त्री विमर्श

1. शोध–पत्र सार महाविद्यालय की (dmmkkrsktsemi2019@gmail.com) E-mail id पर 19.1.2019 तक अवश्य भेज दें। शोध–पत्र सार कम से कम दो सौ (200) शब्दों में होना अनिवार्य है।
2. शोध–पत्र सार का Font : Krutidev 10, Size 16, Line Space 1 होना अनिवार्य है।
3. शोध–पत्र की एक टंकित प्रति पंजीकरण के समय जमा करवानी अनिवार्य होगी।
4. पंजीकरण शुल्क : प्राध्यापक/प्राध्यापिका हेतु ₹ 500/– (पांच सौ रुपये) तथा शोधार्थी के लिये ₹ 200/– (दो सौ रुपये)।
5. आयोजक संस्था द्वारा मार्ग व्यय वहन नहीं किया जाएगा।

मुख्य संरक्षक	संरक्षिका	संयोजिका
डॉ. रामप्रकाश	डॉ. (श्रीमती) विजेश्वरी	डॉ. (श्रीमती) सुमन राजन
पूर्व सांसद, राज्य सभा	प्राचार्या	एसोसिएट प्रोफेसर
अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति		